पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय सी आर पी एफ यलहंका बेंगलुरु

विद्यालय पत्रिका

सत्र 2023-24

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA CRPF YELAHANKA BENGALURU

VIDYALAYA PATRIKA

Session 2023-24

पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय सी आर पी एफ यलहंका

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA CRPF, YELAHANKA

विद्यालय पत्रिका सत्र: 2023-2024

प्रमुख संरक्षक

श्री धर्मेंद्र पटले

उपायुक्त, केंद्रीय विद्यालय संगठन,बेंगलुरु संभाग

संरक्षक

श्री आर प्रमोद
सहायक आयुक्त
केंद्रीय विद्यालय संगठन
बेंगलुरु संभाग

श्री पी सी राजू
सहायक आयुक्त
केंद्रीय विद्यालय संगठन
बेंगलुरु संभाग

श्रीमती हेमा के
सहायक आयुक्त
केंद्रीय विद्यालय संगठन
बेंगलुरु संभाग

अध्यक्ष महोदय का संदेश

कार्यालय उप महानिरीक्षक, ग्रुप केन्द्र, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, यलहांका,
बैंगलुरू–560064

सन्देश

निःसंदेह हर्ष एवं गौरव का विषय है कि पी एम श्री केन्द्रीय विद्यालय सी आर पी एफ यलहंका बेंगलुरु सत्र 2023-24 हेतु विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है। विद्यालय पत्रिका बालकों के सर्वांगीण विकास का एक सशक्त माध्यम है। वक्ता के कौशल को निखारने के लिए मंच का जितना महत्त्व होता है, उतना ही महत्त्व नव बाल साहित्यकारों के लिए विद्यालय पत्रिका का होता है।

बच्चे नव-नवोन्मेषशालिनी प्रतिभा के धनी तथा कल्पना शक्ति के स्रोत होते हैं। कल्पना के आलोक से उद्भासित विचार वल्लरी अपनी आभा से साहित्य जगत को आलोकित करती है। सृजनात्मक शक्ति ने कल्पना-प्रसूत विचारबीजों को अंकुरित कर शब्दों का आकार दिया और उन्हीं शब्दों ने कविता, कहानी, हास्य-कणिका एवं विचार प्रधान लेख आदि का आकार ग्रहण किया । इन्हीं रचनाओं को प्रकाशित कर विद्यालय पत्रिका इन्हें चिरस्थाई बनाने का अप्रतिम कार्य करती है।

आशान्वित हूँ कि अपनी रचनाओं को विद्यालय पत्रिका में प्रकाशित हुआ देखकर बाल मन हर्षित, पुलकित और उत्साहित होगा। विद्यालय पत्रिका के प्रकाशन हेतु सतत प्रयासरत प्राचार्या महोदया, सम्पादक मंडल एवं समस्त शिक्षकों को हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभाशीष...

धन्यवाद
जय हिन्द !

हिमांशु कुमार
उप महानिरीक्षक
ग्रुप केंद्र, के रि पु ब, बेंगलुरु
अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति
पी एम श्री के वि सी आर पी एफ
यलहंका, बेंगलुरु

उपायुक्त महोदय का संदेश

शुभकामना संदेश

श्री धर्मेंद्र पटले

उत्कृष्ट शिक्षा को जीवन में आगे बढ़ने और सफलता प्राप्त करने के लिए परम आवश्यक है। जो कि आत्मविश्वास विकसित करने के साथ ही हमारे व्यक्तित्ववव चरित्र निर्माण में भी सहायक है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन हमेशा छात्रों को गुणवत्तापूर्ण उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करना सुनिश्चित करता है। साथ ही साथ उनके उत्साह, प्रतिभा और रचनात्मकता का पोषण करता है; और राष्ट्रीय एकता व भारतीयता की भावना विकसित कर एक श्रेष्ठ विश्व नागरिक बनने में सहायता करता है।

यह सुनकर बहुत प्रसन्नता है कि पी.एम्.श्री केन्द्रीय विद्यालय सी.आर.पी.एफ. यलहंका, बेंगलुरु, के छात्रों एवं कर्मचारियों की सृजनात्मक क्षमता एवं लेखन कौशल का विकास करने की दिशा में एक प्रयास के रूप में विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है। हम सभी सभी प्राणियों में सृजनात्मकता का गुण कुछ न कुछ मात्रा में अवश्य पाया जाता है केवल उसे अभिव्यक्ति का अवसर चाहिए।

उद्यम और कर्मशीलता ही सफलता का रहस्य है; विपत्ति में धैर्य से काम लेना समझदारी है; भाग्य भी साहसी व्यक्ति का साथ देता है; सकारात्मक सोच और सृजनात्मकता ज़िंदगी में हमेशा आपको सफलता की ओर अग्रसर होने में सहायक होती है। प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी प्रतिभा के साथ जन्म लेता है बस हमें आवश्यकता होती है उस प्रतिभा को पहचान कर निखारने की । विद्यालय के सदस्यों द्वारा इस विद्यालय पत्रिका को मूर्त रूप देते हुए इसे प्रतिबिंबित करने में किये गए कार्यों की प्रशंसा करता हूँ आचार्य विनोबा भावे जी ने भी कहा है – "कर्म वह दर्पण है जिसमें हमारा प्रतिबिम्ब दिखता है"।

इस पत्रिका के प्रकाशन के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देने के लिए प्रत्येक व्यक्ति की पुनः सराहना करते हुए शुभकामनाओं के साथ आशा करता हूँ कि इस पत्रिका के प्रत्येक पाठक इसमें संकलित नवोदित रचनाकारों की रचनाओं को पढ़कर आनंदित व प्रेरित होंगे ।

शुभकामनाओं सहित |

(धर्मेन्द्र पटले)

उपायुक्त

Principal's Message

Dr. Rubina M R

Today the role of schools is not only to impart knowledge that encompasses the pre- scribed syllabi of the institution but that of the world beyond the class room. It is the role of the schools to build and strengthen character of its students that will not crumble when tested and to develop qualities of good leadership that can be employed in the future for the creation of a better nation. It is a constant endeavor of our Vidyalaya to shape accomplished personalities that will contribute positively to the world around them.

For the development of all-round personality of our students. We aim to provide sufficient opportunities to each student to discover and understand himself/herself, face and overcome challenges presented to them to make school life fulfilling and complete. The aim behind all our co-curricular and academic activities is not to impart bookish knowledge only but to provide the environment for young minds to think independently. It is our prime effort to instill desirable qualities in our students and this can be done when we provide appropriate situations. At our Vidyalaya, we like to empower our children to help them be the best they can be. Vidyalaya Patrika also provides an opportunity to students to convert their creative ideas into black and white which makes them happy and sharpens their minds as well.

I am grateful to most respected Sh. Dharmendra Patel, Deputy Commissioner, KVS (RO) Bengaluru, Respected Shri. P C Raju, Shri. R Pramod and Smt. Hema K, Assistant Commissioners, KVS(RO) Bengaluru and esteemed Sh. Himanshu Kumar, Chairman, VMC for their invaluable guidance and consistent courage for the all-round development of Vidyalaya.

I thank all the members of the editorial board for their endeavor to bring out this edition of Vidyalaya Patrika.

संपादक की कलम से

प्रिय पाठकों

सत्र 2023-24 की विद्यालय पत्रिका आप सभी के समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है। विद्यालय पत्रिका के इस अंक में छात्रों की सृजन शक्ति, बाल मन के विश्वास , उनके विकास, आशा और अनुराग की जीवंत अभिव्यक्ति का चित्रण है। साहित्य का आविर्भाव भी इसी समाज से होता है जिसे रचनाकार अपने भावों के साथ मिलाकर उसे एक आकार देता है। यही रचना समाज के नवनिर्माण में पथप्रदर्शक की भूमिका निभाने लगती है।

जिस तरह इन्द्रधनुष की सतरंगी आभा विस्मित एवं चकित करती है उसी तरह नवसृजनकत्र्ताओं की साहित्यिक कृतियों का यह सतरंगी अंक लेखों, कविताओं, कहानियों के नवसृजन से मानवीय भावनाओं और संवेदनाओं से निश्चित ही पाठकों का मन मोह लेगा |

विद्यालय पत्रिका के प्रकाशन के सहयोग के लिए तमाम प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष हाथों का आभार।

प्रधान संपादक

रचना शर्मा

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक(हिंदी)

संपादक मण्डल

श्रीमती रचना शर्मा प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	हिन्दी विभाग
श्रीमती सुपर्णा बाइन प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	अंग्रेजी विभाग
श्रीमती मधुश्री मिश्रा स्नातकोत्तर शिक्षक	अंग्रेजी विभाग
श्री नंदलाल प्रसाद प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	संस्कृत विभाग
श्री दीपक डोंगरे प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक	चित्रकला विभाग
श्रीमती अंजली सिंह	डिज़ाइन एवं संग्रंथन

ABOUT VIDYALAYA

PM SHREE Kendriya Vidyalaya, CRPF,Yelahanka is situated amidst sylvan surroundings, far from the maddening crowd and the hustle bustle of the metro city on the National Highway nearer to Bangalore International Airport. The Vidyalaya was started in the year 1981. The Vidyalaya has classes I to XII with an enrollment of 1578 with science and Arts stream at the plus two level. The Vidyalaya participates in Games, sports and other activities organized locally and also at Inter Kendriya Vidyalaya level by the Kendriya Vidyalaya Sangathan. The activities include Mathematics Olympiad, Green Olympiad, National level Essay and Painting competitions, Youth Parliament, Adventure activities, Educational tours ,Exhibition tours, Scouting etc.

There are 1578 plus students and 64 dedicated staff members in the school. Both students and teachers aim high and work towards attaining excellence. Ethics and moral fabric of the student community are given as much importance as academic and co-curricular activities. Awards and accolades are no stranger to KV, CRPF, Yelahanka, Bangalore.

Bangalore, renamed as Bengaluru, offers a perfect rendezvous and a destination to those who have a penchant for a fusion of the old and the new. Bangalore, the capital of Karnataka is a vibrant city with varied hues of culture and tradition. It has rich historical legacy. It is rightly called the ‘Silicon Valley’ with leading IT companies and corporate sectors working around the clock. The city, with its lush green gardens, tree lined avenues, trendy downtown, and the software flood offers one a picture of striking contrasts.

SCHOOL ACHIEVEMENT 2022-2023

परीक्षा परिणाम सत्र : 2022-23

SCHOOL LEVEL EXAM	SESSION 2022-2023

CLASS	NO OF STUDENTS	PASS %
I	128	100
II	148	100
III	161	100
IV	147	100
V	143	100
VI	144	100
VII	156	100
VIII	137	100
IX	128	100
XI	101	100

CBSE BOARD EXAM	SESSION 2022-2023

X	138	100%
XII	128	86.72%

HIGH ACHIEVER CLASS X (ACADEMIC 2022-23)

SAANVI

KRUPA RAJ B

HIMANSHU

TANISHKA K

HIGH ACHIEVER CLASS XII SCIENCE (ACADEMIC 2022-23)

LIKITH A NAYAKA

NAMJUNDESHWAR H SUGANNAVAR

HIGH ACHIEVER CLASS XII COMMERCE(ACADEMIC 2022-23)

H R TEJASWI

.ನನ್ನ ಕನಸು

ಗಾಳಿ ಇಲ್ಲದೆಯೇ ಉಸಿರಿಲ್ಲ

ನೀರಿಲ್ಲದೆ ಜೀವಿಗಳಿಲ್ಲ

ಬೆಳಕಿಲ್ಲದೆಯೇ ಆಹಾರವಿಲ್ಲ ಆಹಾರವಿಲ್ಲದೆಯೇ ಶಕ್ತಿಯಿಲ್ಲ

ಶಕ್ತಿ ಇಲ್ಲದೆಯೇ ಯುಕ್ತಿಯಿಲ್ಲ ಅನುಭವವಿಲ್ಲದೆಯೇ ಜ್ಞಾನವಿಲ್ಲ ಜ್ಞಾನವಿಲ್ಲದೆಯೇ ವಿಜ್ಞಾನವಿಲ್ಲ

ವಿಜ್ಞಾನವೆಂಬುದು ಜ್ಞಾನಗಳ ಸಮೂಹ

ಹಳತರಲ್ಲಿ ಹೊಸತನವನ್ನು ಹುಡುಕುವ ಸಂಶೋಧನಾ ವ್ಯೂಹ

ಬೆಳೆಯಲಿ ವಿಜ್ಞಾನ ತೊಲಗಲಿ ಅಜ್ಞಾನ ಮೌಢ್ಯತೆ ಅಳಿಸಿರಿ ವಿಜ್ಞಾನ ಬೆಳೆಸಿರಿ

ವಿಜ್ಞಾನ ಶಿಕ್ಷಕನ ಒಂದೇ ಒಂದು ಪ್ರಯೋಗ ಬದಲಿಸುವುದು ನೂರಾರು ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳ ಜೀವನ ಮಾರ್ಗ

ವಿಜ್ಞಾನ ಕಲಿಕೆಗೆ ಹೆಚ್ಚಲು ಉತ್ಸಾಹ

ವಿಜ್ಞಾನ ಶಿಕ್ಷಕ ನೀಡಲಿ ಪ್ರೋತ್ಸಾಹ

ಡಾಲ್ಟನ್ ಮಾಡಿದ ಪರಮಾಣುವಾದ

ಅದನ್ನೇ ಹೇಳಿದ ನಮ್ಮ ಕಾಣದ ವಿಜ್ಞಾನಿಗಳಲ್ಲಿ ನಡೆಯಿತು ವಾದ ಪರಮಾಣುಗಳನ್ನು ಒಡೆಯಲು ಬಹುದಾ!

: ದೀಪಶ್ರೀ ೪ನೇ ತರಗತಿ 'ಬಿ 'ವಿಭಾಗ

ರಾಮಾಯಣ

ದಶರಥ ಪಡೆದನು ನಾಲ್ಕು ಮಕ್ಕಳನು

ಮಾಡಿ ಪುತ್ರಕಾಮೇಷ್ಟಿ ಯಾಗವನು

ದಾರಿ ತಪ್ಪಿಸಿದ ಕೈಕೆಯದಾಸಿ

ಕಾಡಿಗಟ್ಟಲು ಶ್ರೀರಾಮನು

ದಿಕ್ಕು ತೋಚದೆ ಹೋದ ವರಗಳಿಗೆ

ಕಟ್ಟುಬಿದ್ದಾಯೋಗ್ಯ ಮಹಾರಾಜನು ಧೀರನಾಗಿಯೇ ಒಪ್ಪಿದ ರಾಮನು

ಅಪ್ಪನ ಮಾತನ್ನು ಉಳಿಸಿದನು ದುಡುಕಿದ ತಪ್ಪಿಗೆ ಪರಿತಪಿಸುತ

ಕುಸಿದು ಆಸಹಾಯಕನಾದ ಅಪ್ಪನು ದೂರದ ಕಾಡಿಗೆ ಹೋಗಲು ಜೊತೆಗೆ

ಸಿದ್ದರಾದ ಸತಿ ಸೀತ ತನುಜಾ ಲಕ್ಷ್ಮಣನು ದೃತಿಗೆಟ್ಟ ಮಾತೆಯರು ಅಲ್ಲಿನ ಎಲ್ಲರೂ

ಭರತನು ಆಗ ದುಃಖಿತನು ಎದೆಗುಂದದೆಯೇ ಎಲ್ಲವ ತ್ಯಾಗ ಮಾಡಿ

ಹೊರಟರು ಸೇರಲು ಕಾಡನು ದೇಹದಂಡಿಸುತ್ತಾ, ದುಷ್ಟರ ಶಿಕ್ಷಿಸಿ,

ಮಾಡುತಾ ಶಿಷ್ಟರ ರಕ್ಷಣೆಯನು ದೈತ್ಯಾಕಾರದ ರಾವಣ ಮೋಸದಿ
ಕೊಂಡೊಯ್ದ ಸೀತಾ ಮಾತೆಯನು ದೊರಕದೆ ಸುಳಿವು ಸುಲಭದಿ ಆಗ
ಕಪಿ ಸೈನ್ಯ ಮಾಡಿತು ಸಹಾಯವನು ದೋಣಿಯಲ್ಲಾಗದ ದೂರದ ಲಂಕೆಗೆ
ಕಟ್ಟಿದರು ರಾಮಸೇತುವನು
ದೌಲತ್ತು ಮರಿದು ಯುದ್ಧವು ಮಾಡಿ
ಗೆದ್ದರು ಸೀತಾಮಾತೆಯನು
ದಂಗಾದ ರಾವಣನು ಅಸುನೀಗಿದನು
ರಾಮಾಯಣ ಕಂಡಿತು ಸುಖಾಂತವನು
ದಹಿಸಿದ ಲಂಕೆಯನು ಹನುಮಂತನು
ತಾಕಿಸಿ ಬೆಂಕಿಯ ಬಾಲವನು.

: ದೀಪಶ್ರೀ ಎಂಟನೇ ತರಗತಿ ಬಿ ವಿಭಾಗ

ಕನಸು

ಮೂಡಣ ನೇಸರನು
ಪಡುವಣ ಸೇರುವ ಕನಸು
ಅಣೆಕಟ್ಟಿದ ನದಿಗೆ
ಹರಿದು ಹೋಗುವ ಕನಸು
ದಾರಿ ತಪ್ಪಿದ ಹಕ್ಕಿಗೆ
ಗೂಡು ತಲುಪುವ ಕನಸು
ಮುಗಿಯದ ಹೆಜ್ಜೆಗೆ
ಊರ ಸೇರುವ ಕನಸು
ನಗುವ ಹೀನ ಮೊಗಕೆ
ನಗುವ ಬೀರುವ ಕನಸು
ಬಾಲಂಗೋಚಿಯ ಪಟಕೆ
ಬಹು ದೂರ ಹಾರುವ ಕನಸು
ಕನಸು ಹೊತ್ತ ಕನಸಿಗೆ ಮಿತಿಯ ಕಡಿವಾಣವೇಕೆ ?
ಬೇಲಿ ಹಾಕಲು ಕನಸಿಗೆ ಆಗುವುದೆಂದು ನನಸು?

ನಿಹಾರಿಕಾ ಎಸ್ 6ನೇ ತರಗತಿ ಬಿ ವಿಭಾಗ

ಕನ್ನಡ ಒಗಟುಗಳು

1. ಒಂದು ಹಪ್ಪಳ ಊರಿಗೆಲ್ಲ ಊಟ ಹಾಗಾದರೆ ನಾನು ಯಾರು?

ಉತ್ತರ:- ಚಂದ್ರ

2. ಆರು ಕಾಲು ಅಪ್ಪಣ್ಣ ಹಿಡಿದರೆ ಹಾರಣ್ಣ ಕೂತು ಮೀಸೆ ತಿರುವಣ್ಣ ಹಾಗಾದರೆ ಯಾರು?

ಉತ್ತರ:-ಜಿರಳೆ,

3. ತಲೆಯ ಮೇಲೆ ಜುಟ್ಟು

ತಲೆಯ ಒಳಗೆ ಸಿಹಿ ರಸ ಹಾಗಾದರೆ ನಾನು ಯಾರು?

ಉತ್ತರ:-

ತೆಂಗಿನ ಕಾಯಿ

4.ಅರಳುತ್ತೆ ಹೂವಲ್ಲ,ಬಿಸಿಲಿಗೆ ಬಾಡುವುದಿಲ್ಲ ಹಾಗಾದರೆ ನಾನು ಯಾರು?

ಉತ್ತರ:- ಛತ್ರಿ

5.ಕುಡಕೆಯಲ್ಲಿ ಮೆಣಸು, ಹಾಗಾದರೆ ನಾನು ಯಾರು

ಉತ್ತರ:-ಪರಂಗಿ ಹಣ್ಣು

6. ಹಿಡಿ ಹಿಡಿದರೆ ಹಿಡಿ ತುಂಬಾ ಬಿಟ್ಟರೆ ಮನೆತುಂಬ ಹಾಗಾದರೆ ನಾನು ಯಾರು? ಉತ್ತರ :-ದೀಪ

7. ಅಪ್ಪನಿಗಿಂತ ಮಗನೇ ಮೊದಲು ಹುಟ್ಟುತ್ತಾನೆ ಹಾಗಾದರೆ ನಾನು ಯಾರು?

ಉತ್ತರ:- ಹೊಗೆ

8.ಒಂಟಿ ಕಾಲಿನ ಕುಂಟ ಗರಗರ ಸುತ್ತುತ್ತೆ ಸುಸ್ತಾಗಿ ಬೀಳುತ್ತೆ ಏನಂದೆ ಹೇಳುವೆ?

ಉತ್ತರ :- ಬುಗುರಿ

9. ಹಳ್ಳಿ ಗಡಿಯಾರ ಒಳ್ಳೆಯ ಆಹಾರ ಯಾವುದು?

ಉತ್ತರ:-ಕೋಳಿ

10. ಮೇಲೆ ಹಸಿರು ಒಳಗೆ ಕೆಂಪು ತಿಂದರೆ ತಂಪು ಹಾಗಾದರೆ ನಾನು ಯಾರು?

ಉತ್ತರ :-ಕಲ್ಲಂಗಡಿ

ಪವಿತ್ರ ಎಂಟನೇ ತರಗತಿ ಬಿ ವಿಭಾಗ

. ಮಳೆಯ ನಿರೀಕ್ಷೆ

“ ಇಂದಾದರೂ ಮಳೆ ಬರಬಹುದು” ಕಣ್ಣು ಬಿಟ್ಟ ವೇಣು ಯೋಚಿಸಿದ. ಅವನು ಒಬ್ಬ ರೈತ.

ಕೆಂಪು ಬಣ್ಣದ ಸೂರ್ಯ ಮೇಲೆಳುತ್ತಿದ್ದ ವೇಣು ಆಕಾಶವನ್ನು ದೃಷ್ಟಿಸಿ ನೋಡಿದ. ಒಂದು ಸಣ್ಣ ಮೋಡವು ಕಣ್ಣಿಗೆ ಬೀಳಲಿಲ್ಲ.

“ ಪರಿಸ್ಥಿತಿ ಸರಿಯಾಗಿಲ್ಲ” ಎಂದು ಗೊಣಗುತ್ತಾ ವೇಣು ನಿದ್ದೆಯಿಂದ ಎದ್ದ.

ಮಳೆ ಬರಲಿ, ಬಿಡಲಿ ರೈತರು ಬೆಳಗ್ಗೆ ಏಳುತ್ತಾರೆ. ಎಂದೂ ನಿರಾಶೆ ಮಾಡಿರಲಿಲ್ಲ. ಪ್ರತಿ ವರ್ಷವೂ ಅವನು ಸಾಗುವಳಿ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದ, ಜೋಳ ಒಂದು ಸಲ ಬೆಳೆದರೆ ಬೆಳೆ ಇನ್ನೊಂದು ಸಲ ಬೆಳೆಯುತ್ತಿದ್ದೆ. ವಿಶ್ರಾಂತಿ ಇಲ್ಲದೆ ಎಂದು ರಜೆ ಇಲ್ಲದೆ ಇಡೀ ವರ್ಷ ಅವನು ಕೆಲಸ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದ. ಆರು ವರ್ಷಗಳ ಹಿಂದೆ ಈ ಸಣ್ಣ ಹೊಲ ಅವನಿಗೆ ದೊರೆತ ಮೇಲೆ ಹೀಗೆ ಕೆಲಸ ಮಾಡುತ್ತಿದ್ದ . ಆದರೆ ಈ ವರ್ಷ ಬೇರೆಯೇ ಆಗಿತ್ತು. ಬೇಸಿಗೆ ಕಳೆದ ನಂತರ ಮಳೆಯೇ ಬರಲಿಲ್ಲ.

ವೇಣು ಮತ್ತು ಅವನ ಹಳ್ಳಿಯ ಇತರರು ಕಾಯುತ್ತಾ ಕುಳಿತರು ಮಳೆಗೆ ಇತರರು ಕಾಯುವುದು ಮುಗಿಯುವ ಹಾಗೆ ಕಾಣಲಿಲ್ಲ, ದಿನ, ವಾರ, ತಿಂಗಳುಗಳು ಕಳೆದರೂ ಮಳೆ ಬರಲಿಲ್ಲ.

ಹೊಲವನ್ನು ಹೊಲ ಉಳುವುದು ಸಾಧ್ಯವಾಗಲಿಲ್ಲ. ನೆಲಗಟ್ಟಿಯಾಗಿ ಬಿರುಕು ಬಿಡಲಾರಂಭಿಸಿತು. ರೈತರು ಕೇವಲ ಆಶಾಭಾವನೆಯಿಂದ ಜೀವಿಸಲು ಪ್ರಾರಂಭಿಸಿದರು. ಪ್ರತಿದಿನವೂ ಇಂದು ಮಳೆ ಬರುತ್ತದೆ ಎಂದು ಆಸೆ ಇಟ್ಟುಕೊಂಡಿದ್ದರು.

-ಜಸ್ವಂತ್ ಆರನೇ ತರಗತಿ ಆ ವಿಭಾಗ

हिंदी विभाग

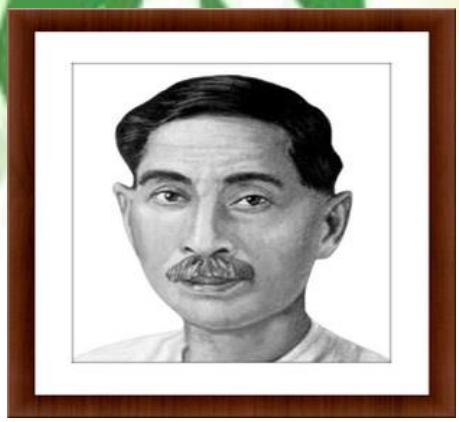

स्वरचित कविता

कदम नहीं रुकने देना शीश नहीं झुकने देना

तुम जो रख लो हौसला तो मुश्किल.. कुछ भी ना होगा

तेरी हिम्मत ने पहाड़ तोड़ रास्ते बनाए हैं

तेरे हौसले ने चाँद पर भी कदम पहुँचाये हैं

तुम जो कर लो इरादा तो असंभव कुछ भी ना होगा

रचना शर्मा

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक

मधुर वसंत

देखो सर्दियो का हो रहा अंत
आया है ये मधुर वसंत

सुनहरी किरणों के साथ आते शांत हवा के झोके,
बच्चों की ये मुस्कान कभी न रुके।
फूल - फूल पर मंडराए भँवरे, सरसों के ये खेत हो सुनहरे।।

पेडों में कई मीठे रसीले फल आए,
इस वसंत की बारिश सब के मन भाए।
नभ की सतरंगी देख प्रसन्न हुए सारे
हल्की धूप में हल्की वर्षा सब के मन हारे ।।

वो कागज के नाव इस बारिश में लहराए,
ये वर्षा ऋतु मोरों को खूब नचाए।
गूँज उठी है घरों में बच्चों की किलकारियाँ
बादलों को घेरे हुई ये नीली स्याहियाँ ।।

कोयल के मीठे स्वर लोगों के ह्रदय भाए,
ये रंग-बिरंगे फूल देख सबके मन मुसकाए ।

सबके मन को खुशियाँ देकर जा रही ये वसंत
ये गर्मियां लेकरआएँगी इसका अंत।।

- रागिनी कुमारी
कक्षा- 9 ब

<u>कली की दुनिया</u>

यूँ ही शुरू हुई एक कली से वो
कली चहकने लगी जोर से।
हवा जो आई, अरे–अरे!
मैं उड़ी तो नहीं, डर के कहने लगी वो,
मगर रुकी रही वहीं काँप के।
ठंडी हवा, चहकी चिड़ियाँ ।
सुंदर दिखी जैसे बादल पहनी ओढ़ के।
हल्की हूँ मैं, हल्की रहूँ ,
सुंदर हूँ मैं, सुंदर रहूँ ।
कहने लगी वो जोर से!
नारंगी हुआ मौसम बड़ा!
ठंड है, कोहरा दिखे, पर खुश हैं।
पत्तों से ढककर वह अपने को,
देखो तो कैसे बढ़ रही है आज!
खुश रहे, खुशियाँ बरसाए !
अरे! अरे! देखो तो, वाह!
सुंदर खिली, वह! देखो! देखो!
पीली, पीली! नारंगी, नारंगी!
घूमती हवा के झोकों में,
देखो तो कैसे नाच रही है वो।
धूप पड़ी, तो अपनी पंखुड़ियों को फैलाए,
लिए मस्ती में अंगड़ाई, वह मुस्काए!
मुस्काए! देखो वह कैसे मुस्काए!
ऐसे खिली जैसे कोई कली न खिल पाए !

मैत्रीय चौबे (स्वरचित)
कक्षा 9 ब

बचपन का जमाना

सुना था एक प्यारा सा गाना,
खुशियों का खजाना,
बचपन की मिठास में बहता नया अफ़साना ।

चाँद को पाने की चाह में,
दिल तितली के हो गए दीवाने,
खबर नहीं थी सुबह की,
ना शाम का ठिकाना था हमारे ख्वाबों के आसमान में।

स्कूल की थकान से भरी,
खेलने का हौंसला बना रहा नया सफर,
माँ की कहानी और परियों का फसाना,
बरसात की बूँदों में लिपटा हुआ था जीवन का प्यार।

रोने और हँसने का बहाना नहीं था,
सिर्फ बचपन का जमाना था,
लौटा दो कोई बचपन को,
जब मैं रोया करता था मेरे अपने दिल की धड़कन के साथ।

माँ की ममता ने झट से उठाया, अश्रु न बहने दिए आंखों से,
दोस्तों के साथ किए गए हुड़दंगों में,
बचपन का सफर बनाता था नया गाना।

बचपन के दोस्त,
छोटे से खिलवार में सहेजे,
चाँदनी रातों में लम्बी बातों का जादू बना रहे सदा,
भूले नहीं हैं वो लम्हें,

जब हम दोस्तों के करीब थे।

बचपन के दोस्त,

याद कर आसूँ भी आए ,

हंसी भी खिलखिलाए,

जीवन गुलज़ार सा लगता है जब साथ हो बचपन के दोस्तों का रंग।

हेमन्त यादव (स्वरचित)

आठवीं 'स'

दोस्ती

दोस्ती की मिसाल ,ये रिश्ता अनमोल है,

एक दूसरे के साथ हर पल खुशहाल है।

हँसी ख़ुशी की बातें बिताई साथ दिन - रात,

ना जाने यह दोस्ती, किस कुदरत से बनी आई।

पता नहीं क्या हो जाता है, पता नहीं क्या हो जाता है,

बिना वजह ही क्यों टूट जाती है यह दोस्ती।

मेरी भी एक टोली थी बिना वजह झगड़ते फिर भी एक हो जाते।

मगर पता नहीं क्या हो गया है कुछ लोगों को,

जाने अनजाने में भी छोड़ जाते हैं कुछ लोग।

एक सच्चे दोस्त होने का ये फर्ज नहीं ,
कि दिन रात दोस्त के साथ रहे।
बुरे समय में भी जो साथ दे वही सच्चा दोस्त है।

किसी को दोस्त बोलते ही वह सच्चा दोस्त नहीं बन जाएगा,
यह दोस्ती भी कुदरत से बनी बनाई आती है

एक सच्चा दोस्त होने का भी अनेक जिम्मेदारी होती है ,
किसी को दोस्त बोलने से वह दोस्त नहीं बन जाता है।

पता नहीं कुछ लोग क्यों भूल जाते हैं, यहाँ अनमोल दोस्ती ,
परीक्षा के मैदान में ही क्यों याद आते हैं यहाँ दोस्त ।

तीन या चार साल तक साथ रहकर सच्ची दोस्ती कहाना मूर्खता होगा,
क्योंकि सच्ची दोस्ती सात जन्म तक साथ रह कर भी नहीं मिलती l

सच्चा दोस्त एक ही हो, कौन बोलता है?
मेरी भी एक दोस्त थी और मेरी भी दो दोस्त है l
यह अनमोल दोस्ती बड़ी प्यारी है l

दोस्तों की मिसाल ,ये रिश्ता अनमोल है,
एक दूसरे के साथ हर पल खुशहाल है।

- निर्जरा भालक'8'ब

समय का सदुपयोग

समय के मूल्य को पहचाना ही समय का सदुपयोग है।

समय सबसे कीमती है,इसे बर्बाद करना लोगों की मूर्खता है। व्यक्ति अपने जीवन में लगभग सभी काम वापस कर सकता है। यदि आपने पैसे खर्च किए हैं तो आप वापस कमा सकते हैं लेकिन आपका बीता हुआ समय आप वापस नहीं ला सकते हैं। दुनिया में सबसे मूल्यवान चीज की यदि बात की जाए तो वह है 'समय' जो दुनिया में सबसे मूल्यवान और कीमती है।

हर व्यक्ति को अपने समय को बचाने और समय का सही सदुपयोग करने की जानकारी होना बहुत जरूरी है। समय का प्रभावी ढंग से उपयोग करना ही व्यक्ति को ऊँचाइयों तक पहुँचता है। व्यक्ति के मन में यदि सफलता हासिल करने की चाह है तो उस व्यक्ति को अपने समय का सही प्रबंधन करते हुए सही तरीके से मेहनत करनी होगी और नियमित रूप से करने पर व्यक्ति समय रहते हुए सफल इंसान बन सकता है।

विद्यार्थी के जीवन में समय का बहुत ही अधिक महत्व होता है। कई बार बीच विद्यार्थी समय का सदुपयोग नहीं करते हैं तो उन्हें असफलता का मुँह देखना पड़ता है। लेकिन यदि आप समय को बचाने और समय की रूपरेखा बनाकर अध्ययन करते हैं तो आपको कभी भी असफलता का मुँह नहीं देखना पड़ेगा।

दिया जोशी
कक्षा- आठवीं (स)

परीक्षा देने में हमको विप्पत्ति जब भी आती हैं,

मेरा मन नहीं कहता कुछ ,
यह कलम ही घबराती हैं,
पढ़ा हुआ हैं सब कुछ फिर भी बैचैनी सताती है ,
संघर्ष सिखाने को हमको मेहनत भी पढ़कर आती हैं,
परीक्षा के बाद बस परिणाम की याद रह जाती हैं,
किसी को खुशी तो किसी को दर्द दे जाती हैं,
परीक्षा कक्ष में जाते ही क्यों सबके चेहरे लाल हैं
परीक्षा हैं या परिणाम का डर जो सबके हाल बेहाल है,
कुछ को तो लगता कुछ नही आता फिर भी क्यों नही डरते है,
चिंता में है इस बात की कि समय पर चिंता क्यों नहीं करते है,
खुद से ही जीत जाने की ये कैसी लड़ाई है ,
जो जूझना सीखा दे उसी का नाम पढ़ाई है ,
प्रतियोगिता मैं जाने की ये पहली कठिनाई हैं,
सूत्र सारे याद रखना नहीं तो बड़ी भूल है ,
पीरियोडिक टेबल याद करना उसका बड़ा मूल है,
दिमाग खुला तो आंखें बंद ,
आंसू में भी अब दिखने लगा कार्बन मॉलिक्यूल है,
किस अनाज में प्रोटीन है तो किस अनाज में ग्लूटेन है या रेंज बताए प्रोजेक्टाइल की ,
क्योंकि विज्ञान के विद्यार्थियों के मन मंदिर में न्यूटन हैं,
हीरे सा सक्त है या प्रकाश सी रफ्तार है,
परीक्षा की नजरों से मत देखो विज्ञान चमत्कार है,
सारा दिन जो पढ़ते रहते ये कैसी बीमारी है?
दो सालों से चल रही ये किस परीक्षा की तैयारी हैं?

बैचैनी तो है,है डर भी
फिर भी एक जुनून है,
दिन रात मेहनत कर के मिलता जो सुकून है ,
आंखें बंद करते ही दिखता एक दृश्य है ,
प्रगति की राह पर चलता देश का भविष्य है,
इतनी मेहनत के बाद भी अगर कामयाबी नहीं मिलती है,
खुद पर ही शक करते हैं बातें सबकी खलती है,
चाहे बुरा हो जाए परिणाम तुम्हारा तुम हमेशा आस रखना,
कर सकते हो सब कुछ,
खुद पर ये विश्वाश रखना,
क्योंकि नतीजे का ख्याल मन से हटाया नहीं जाता ,
लेकिन मेहनत का कोई कतरा भी ज़ाया नही जाता, बेचैन हूं,
चैन खोकर अब रोया नहीं जाता ,
सपना देखा है सच्चा, इसलिए सोया नही जाता। दियाना डोंगरे 11वी 'अ

सच्चा मित्र

कदम रखा मैने बारहवे साल मे,
छोटे से मेरे जीवन काल मे,
देखा इधर-उधर,
अपनी छोटी-छोटी आंखों से,
मिले कई छोटे बड़े हाथ,
जिनका मिला मुझे साथ
चित्रों में मिलता है एक सच्चा मित्र,
जिनसे मैं कर लेती हूँ,
अपने मन की बात,

विद्यालय में दो-एक सहपाठी,
और घर पर है मेरी माँ,
साथ ही मेरी बड़ी बहन,
और एक भोलापन सा,
आभास लिए मेरे पिता,
जो कराते सच्चे मित्र का अहसास,
सदियों मे मिलता है एक सच्चा मित्र,
जिनसे मैं कर लेती हूँ,
अपने मन की बात ।

द्वारा - मोक्षिता चंद्रवंशी कक्षा 6 अ

गलत इरादे

एक किसान के पास एक गाय और एक मुर्गी थी। गाय सारा दिन खेत में काम करती थी। किसान उसकी व्यक्तिगत रूप से देखभाल करता था, जबकि खेत के अन्य कर्मचारी मुर्गी की देखभाल करते थे। इससे मुर्गी को गाय से ईर्ष्या होने लगी।

एक दिन गाय से छुटकारा पाने के लिए मुर्गी ने एक योजना बनाई। उसने सोचा, "अगर किसी तरह गाय को मैदान में जाने से रोक दिया गया, तो मालिक इतना परेशान हो जाएगा कि उसे वहाँ से चले जाने के लिए कह देगा।"

तो मुर्गी गाय के पास गई और बोली, "तुम गर्मी के दिनों में भी बहुत मेहनत करती हो। आप एक दिन की छुट्टी क्यों नहीं ले लेते? बस बीमार होने का नाटक करो और मालिक तुम्हें खेत में नहीं ले जाएगा।" मासूम गाय सहमत हो गई।

अगले दिन, गाय ने अस्वस्थ होने का नाटक किया। लेकिन मुर्गी ने जो अनुमान लगाया था उसके विपरीत, किसान इतना चिंतित हो गया कि उसने पशु चिकित्सक को बुलाया।

डॉक्टर ने उसकी जाँच की और कहा, "उसकी कमजोरी अधिक काम के कारण हो सकती है। "उसे कुछ दिन आराम करने दो।"

किसान ने अब गाय पर और भी अधिक ध्यान दिया, उसे अधिक खाना खिलाया और वह भी बिना उससे काम कराए।

सीख - गलत इरादे कभी सफल नहीं हो सकते; वास्तव में वे मददगार बन सकते हैं।

युवराज चौधरी

सातवीं (अ)

ये नजारे

ओ मेरे साथियों ,जरा देखो ये बगीया,

ओ देखो ये नजारे जो सबके मन को कितने भा रहे हैं

देखो जरा इस बगिया में कितने फूल खिले,

ओ देखो जरा इस बगिया में कितने तितली-पंछी उड़े,

क्या तुमने इन नज़ारों की धुन सुना,

उनकी बाते सुनी जो वह तुमको बता रहे हैं।

क्या तुमने इनके संदेशो को समझा,

जो बड़ी ही अनोखी है।

ओ,मेरे साथियो जरा समझो संदेश इन नजारों के

,जो बड़े ही अनोखे हैं,

और समझ आ जाये तो फिर जीवन अनोखी है।

तो देखो,समझो और अप्नाओ इन नजारो के सीख को,

और बनाओ सुन्दर और सफ़ल अपने जिवन को।

वैष्णवी कुमारी

आठवीं (स)

मेरे प्रिय शिक्षक

अपनी मुस्कान से वो हमारा स्वागत करते हैं

प्यार से हमे गले लगाते हैं।

अपना ज्ञान हमे बाँटते हैं,

गलती दिखने पर हमें डाटते हैं।

हम बच्चों के साथ वो भी बच्चा बन

जाते हैं,

हम सब मिलकर खूब मजे से गाते है

मैं भी उन जैसा बनूँगी,

खूब सारी मेहनत करूँगी।

- सुल्ताना, एम. बूदिहाल

कक्षा -२

माँ

मेरी माँ मेरे लिए भगवान है

माँ प्रथम देवता है

एक मां अपने बच्चों के लिए कोई भी त्याग करने को तैयार रहती है

माँ सभी प्राणियों की सृष्टि का कारण है

माँ के प्यार से बढ़कर दुनिया में कोई प्यार नहीं है

माँ अपने बच्चों को खाना खिला रही है

वह अपने बच्चों का बहुत प्यार से ख्याल रखती है जन्म कितना भी भारी क्यों न हो माँ का कर्ज नहीं चुकाया जा सकता

-पूर्वी एस ए

चौथी 'ब'

मन रीझता है मेरा ...

मन रीझता है मेरा..
पतंग बन आकाश नापने को,
इस डोर का मैं क्या करूँ.

मन रीझता है मेरा..
मीन बनूँ जन जीवन का वरण करूँ,
पंछी बनूँ नभ जीवन का चयन करूँ.
फिर विचरूँ इस जग में न किसी कि गौर करूँ.
पर अटकी हूँ इस छोर पर मैं क्या करूँ.

मन रीझता है मेरा,
तरंगों में खो जाने को,
नवरंग में घुल जाने को,
करूँ नव निर्माण स्वप्नों का,
एक नया आधार अरमानों का,
पर खड़ी इस पग पे जिम्मेदारी का मैं क्या करूँ.

न रीझ ए-मन, हाँ रुकजा अभी के लिए,
काम बहुत है आराम अभी है नहीं,
कुछ पा लूँ, बन जाऊं कुछ,
रुक जा तब तक लेकिन है तेरी एक जिम्मेदारी भी.
मत भूल जाना मन तू रीझना,
तेरे रीझने से ही जुड़ा है मेरा बचपना,
है समय आएगा निकट ही,
जब सुहाएगा तेरा रीझना,
तब तक सब्र कर,
बस तब तक मेरे मन मत रीझना.
मेरे मन मत रीझना....

- अंकिता (ग्यारहवीं – बी)

स्कूल में स्वामी विवेकानंद

एक बार की बात है, एक बार स्कूल टिफिन के दौरान नरेंद्र (स्वामी विवेकानंद) अपने दोस्तों के साथ बात कर रहे थे। और हर कोई उन्हें इतनी ध्यान से सुन रहा था। कि उन्हें पता नहीं था, उनके आसपास क्या हो रहा है। फिर टिफिन समाप्त हो गया और शिक्षक कक्षा में प्रवेश करके पढ़ाना शुरू कर दिया। कुछ देर बाद शिक्षक ने कुछ आवाज सुनी.

और देखा कि कुछ छात्रों पीछे बैठे बातें कर रहे थे। शिक्षक इससे नाराज हो गए और उन्होंने छात्रों से पूछना शुरू किया कि वह कक्षा में क्या पढ़ा रहे हैं। लेकिन कक्षा में कोई भी उनका उत्तर नहीं दे पाया। फिर जब शिक्षक नरेंद्र से सवाल किया, तब नरेंद्र ने प्रत्येक प्रश्न का सही जवाब दिया। और फिर शिक्षक ने इस बारे में पूछताछ की,

कि कौन एक छात्रों था जो दूसरों से बातें कर रहा था। कक्षा में सभी छात्र नरेंद्र की ओर इशारा किया लेकिन शिक्षक ने यह मानने से इनकार कर दिया। क्योंकि वह केवल एक ही था, जिसने सभी प्रश्नों का सही ढंग से उत्तर दिया था। शिक्षक को लगा कि सभी झूठ बोल रहे हैं, इसीलिए उन्होंने पूरे कक्षा को दंडित किया।

सिर्फ नरेंद्र को छोड़कर, बाकी सभी को सजा के रूप में बेंच पर खड़े रहने के लिए कहा गया। फिर नरेंद्र अपने दोस्तों के साथ गया, और अन्य छात्रों के साथ बेंच पर खड़ा हो गया। शिक्षक ने उसे नीचे आने के लिए कहा। लेकिन नरेंद्र ने कहा, "नहीं सर मुझे भी खड़ा रहना चाहिए क्योंकि मैं वही था जो उनसे बात कर रहा

यू .पी .विभु अक्षय

कक्षा -9ए

रोल नंबर - 43

मेरा छोटा भाई

मेरा छोटा भाई मुझे सबसे प्यारा,
सबकी आँखों का तारा,
सबका दुलारा।
हर क्षण में मुझें करे हैरान,
अपनी शरारतों और नटखट पन से भटकाए ध्यान ।
सबको अपने पक्ष में कर ले ऐसी शरारत उसकी
क्षण भर में दूसरों की सोच बदल दें, ऐसी महारत उसकी।
मेरा छोटा भाई मुझे सब से प्यारा
सबकी आँखों का तारा,
सबका राजदुलारा ॥

श्रीयान.एन.सुरेशक ५ ब

चुटकुले ही चुटकुले

- माँ-बेटा सोफ़ा लेटने के लिए नहीं होता है, बैठने के लिए होता है।
  बेटा -हाँ तो चप्पल भी पीटने
  के लिए नहीं, पहनने होता है
- मरीज -डॉक्टर साहब सुस्ती
  रहती है।
  डॉक्टर-एक स्मार्टफोन ले लो
- डॉक्टर-अगर आप चिंता छोड़ दे तो जल्दी ठीक हो जाएंगे,
  वैसे आपको चिंता किस बात
  की।
  मरीज -आपके बिल की।

- महिला -डॉक्टर साहब, आपने
  मेरी आँखे टेस्ट किए बगैर यह
  कैसे कह दिया कि मुझे चश्मा
  लगेगा
  डॉक्टर- क्योंकि तुम मेरे क्लीनिक का इतना बड़ा दरवाजा छोड़कर खिड़की से
  अंदर आई हो।

ललित कुमार बी 9'अ'

अनुशासन

जीवन मे अनुशासन का महत्व होता है | इसके बिना सफल जीवन जीने की कल्पना भी नहीं की जा सकती | जो भी अपने जीवन मे अनुशासन नहीं रखता है, वह कभी भी सफल नहीं हो सकता |
चाहे वह मनुष्य हो या फिर कोई वन्य प्राणी |

अगर हमें जीवन मे सफल होना है तो समय पर उठना होगा, समय पर सोना होगा | बिना समय को खराब किए अनुशासन का पालन करना होगा | अनुशासन किसी के सिखाने से नहीं आता यह स्वयं को सीखना होता है |

जैसे गुरू आपको शिक्षा दे सकते हैं, सही मार्ग पर चलना सिखा सकते हैं, लेकिन उस शिक्षा का आप किस प्रकार अनुसरण करते है यह आप पर निर्भर करता है | अगर आप एक सफल व्यक्ति बनना चाहते हैं और अपने माता-पिता का नाम रोशन करना चाहते हैं तो अपने जीवन मे अनुशासन का आज और अभी से पालन करना शुरु कर दें और हमेशा अपने से बड़ो को सम्मान दें |

हर्षवर्धन पोथाल पांचवी (ब)

Help our country

I was in my room thinking away,
When she suddenly came to me to just say,
“Help our country,” she said loudly,
But who was she seriously?

It started to become clearer,
It was Rani Lakshmi Bai it was really her.
“I fought for my country against the bad”
I believed her, I told her “Yes, I know you had.”

“How can I help our country? It is the best.”
She asked, “Did you check south, east, north, and west?
There is poverty, problems, and death all around.”
I replied “But there are many things that the people of our country have found.

Many places we can visit, many things we have done,
So many prizes the people of our country have won.”
“Oh really,” she said, “I want our country to be best.
I want you to help a few people, it is not a test.

I want you to do one thing if you can,
Help the people of our country, not for a few fan,
But to be kind, like our country was known for then,
I don’t want you to know how to stop and when.”

I said “I’ll try my best never to stop,
I’ll make our country the best from bottom to top,
I’ll make our country cleaner I know so,
I’ll help it as much as possible.” She replied “I know”

“You were a brave lady,” I told her,
“Everyone knows you always were,
You are my idol, you are a fighter,
Now you came back to the country to teach me how to be a savior.

I will help solve the problems of hunger, hygiene, health, and poverty
And I will never do this for the award of nobility.
Thank you for picking me over everyone else.”
“Help our country” she tells.

~K.Shristi
Class- 8 ‘B’
Roll no.- 09

Yes you are a teacher

Yes you are a teacher
The guide and the marker
Yes you are a teacher

You are the one
Who gets angry with students
But never dislike them

You are the one who is given funny names
You are the one who never hates the students, for those funny names

Yes you are a teacher
The guide and the marker
Yes you are a teacher

You are the one who is elated
At the success of students
You are the one who feels happy
When the students recognize you
In the crowd

Yes you are a teacher
The guide and the marker
Yes you are a teacher

Lalith Kumar B(9th A)

TIME

Time is most precious and mindful things than other things in our life even from money in this world.
once,the precious time goes then it goes for ever and ever.
wind blows, water flows in seas and earthquake is gone or going to come then also never stopping or slowing down.
Time is most test precious gift that God As given us it has no beginning and no end.
It can neither be created nor be destroyed. so,every second minute is an irreplaceable part of our life and future.

VARSHINI JR
6th c

Nature is formidable

Shining Sun, Gleaming Moon,
Million Stars in the Sky,
Touching the Horizon,
Counting these is impossible,
Alas! The Nature is Formidable…

Deep salty Seas,
Hot n Dry Deserts,
Steepy Mountains,
Creepy Forests,
Dangers unimaginable,
Alas! Nature is Formidable…

Ah! The cool breeze,
Awesome sceneries,
Delicious fruits,
Chirping Birds making the music of the soul,
Yes the Nature is Formidable..
But Nature is Beautiful..
Nature is Beautiful.. -

Ankita(XI th B)

MY FIRST FLIGHT EXPERIENCE

My first flight experience was during my recent autumn break. My first flight experience was a mix of excitement and happiness.

As I had not met my uncle and aunt in a very long time, during the autumn break, I visited my uncle's house in Coimbatore, along with my mother and brother. My mother planned the journey to come back to Bangalore by flight. Before my first flight, I had only seen planes flying in the sky, so was very excited to fly in the plane.

At the airport, the crowd was overwhelming. We first entered the airport and then walked to the area where there was a security guard who checked our tickets. As we had booked the tickets online, we showed the tickets on my mother's phone. We checked in our luggage and got our boarding passes. The security checks went over very quickly.

We waited for a while to board the plane. Boarding the plane was a nice experience. I was nervous but excited. After completion of boarding, the plane started to taxi, and then the plane reached the runway.

The takeoff was very smooth; as the plane ascended to its height in the sky, the world below started to look small. The sight was breathtaking, and for a moment, I felt like I was on top of the world.

My plane was above the clouds, and gazing out of the window, I saw weird cloud patterns. As I was enjoying my flight journey with my mother and brother, in no time the flight reached Bangalore. The landing at Bengaluru Airport was as thrilling as the take-off in Coimbatore. The plane gently touched the ground and finally stopped. We thanked the pilot for a safe journey.

We deboarded the plane and got into a shuttle, which took us to the main airport building. After reaching the airport building, we collected our baggage. My father came to the airport to pick up all of us.

My first flight experience was one such unforgettable incident. **It was a dream comes true.**

HARDHIK KABILAN
IV B

Yes! Yes! My life with my Mother!
I feel the presence even in the horror,
Sure come in front of mirror.
Oh! To look at beauty!
The behaviour you show as I am your flower,
I bath in your love and care shower.
Searching her wherever she goes,
With care & song your life like rose.
Life in love with smile I get.
To enjoy, sing & shout,
Needn't care gossip about.
Just have Mercy on Me,
And love without doubt.
I can feel how beautiful is life.
You are the reason.
I am really without strife.

Rai Dibya Jyoti(VC)

Prarthana Nair Class IV A

MY FAVOURITE BOOK

My favourite book is FROZEN. This is the story of two princess sisters Anna and Elsa. They were princesses. When their kingdom becomes trapped in perpetual Winter Anna teams up with Kristoff who is a mountaineer and his reindeer Sven to find her sister Elsa who is a Snow Queen. They must break her icy spell.
In this journey to save the kingdom they have magical encounters, harsh conditions. They also meet a comedic snowman. At the end with their willpower and courage they succeed in their venture. I love this story as it is full of magic and excitement. This story gives the message that we should utilise our unique talents for the benefit of others.

POEM : MY FAMILY

Family, a circle of hearts intertwined,
Each member a precious thread, defined.

The guiding light, a guardian's embrace,
Love and laughter, a shared grace.

Through ups and downs, they stand strong,
Together, where belonging belongs.

A home of warmth, joy, and care,
Moments cherished, beyond compare.

Their unity, a bond so true,
In each other's love, they grew and grew.

They're each other's strength, come what may,
In this beautiful family, every day is a ray.

—ANSHIKA KUSHWAHA XIB

My Mother

My mother is really great
She is a very hardworking women
She takes care of everyone in the family
She teaches me good manners and discipline
She cooks tasty food
She helps me in studies
Vismitha IA
Her arms were always open when I need a hug
My mother is the God's best gift to me
I love my mother very much.

A TRIP TO SCOTLAND OF KARNATAKA
(COORG, KODAGU)

Last Dasara holiday on October 21st 2023 my parents planned a trip to Coorg. We made our journey by car.

Coorg is a district of Karnataka which is also a border of Kerala. the official language here is Kodava. Firstly we visited club Mahindra resort Viraj pet Coorg. For stay.

Then we visited Tal Cauvery located in Bhaga mandala which is dedicated to lord shiva another temple is of lord Ganesha . which is also a birth place of scared river Cauvery .

Then we reached to Abbey falls in the western ghats of Karnataka the waterfall is on the early reaches of the river Kaveri, located between private coffee plantations and pepper vines . there is a hanging bridge constructed just opposite the falls.

Then we headed to Nagarahole tiger reserved wild life sanctuary part of Nilgiris biosphere reserve, the park is backed by the Brahamagiri mountain and filled with sandalwood and teak trees. The Kabini river winds through jungle . We had taken jeep safari early morning 6.00 am it was beautiful time of sunrise fully covered with fog . we have been spotted with many animal such as deer , tiger , wild dog, elephants, hyena, peacock. It was an amazing view.

As said all good things come to an end, so did our trip. We headed back to Bangalore with a lot of memories and gratitude to my parents for taking me on this wonderful vacation.

I told my parents to ensure to take me to new places during my next vacation.

SRIJITH.V
1ST A

Hampi

Vijayanagar , the rich empire of king Krishnadevaraya is the best architecture beauty I have ever seen. In this kingdom, Hampi is believed to be the ancient “kishkinda” of Ramayana where the monkey kingdom existed.

Kalp bhatt VA

Few of the beautiful sites include birth place of lord hanuman i.eAnjanadriHills ,Virupaksh temple, the most sacred living temple of Hampi, Tungabhadra dam, Elephant stable , Lotus Mehal , Stepwell ,Hampi market , Royal enclosure and many more. We could see very unique construction of that age without any technical loop holes. The technical understanding of people in that era is above our imagination and the beautiful construction without any machinery is just next level. In my opinion, everyone must visit this place to explore rich heritage of our country.

ENGLISH RIDDLES

Ashrita VB

1. What has to be broken before you can use it?

   Ans: An egg
2. I'm tall when I'm young, and I'm short when I'm old. what am I?
   Ans: A candle
3. What month of the year has 28 days?
   Ans: All of them
4. What is full of holes but still holds water?
   Ans: A sponge
5. What goes up but never comes down?
   Ans: Your age
6. I have branches, but no fruit, trunk or leaves. What am I?
   Ans: A bank
7. What can't talk but will reply when spoken to?
   Ans: An echo
8. The more of 'this' there is, the less you see. What is it?
   Ans: Darkness
9. What has many keys but can't open a single lock?
   Ans: A Piano
10. What is black when it's clean and white when it's dirty?
    Ans: A chalkboard.
11. What goes up and down but doesn't move?
    Ans: A Staircase

My school

My school is very cool,
Even without a swimming pool.
There is no need of light,
Because we all are so bright,
Volleyball, throw ball and basketball,
We know to play them all.
My school is very cool,
Even without a swimming pool.

SULTANA M BUDIHAL

Ghungroo (small metallic bells)

People call me with various name,
But still I mean the same.
I am a sound,
On your feet above the ground.

Hundreds of me together,
Bring a melodious beat
Which for your ears is a treat .

Me up on you,
Just feels to continue.
The rythum is so sweet,
On your tapping feet.

I may be small but effect is high,
Just like stars in the sky.
I may be small but effect is high,
That your soul starts to fly.

I am just a jingling sound fast,
Happy your mind and heart
Found that your lost.

~Sneha.E
11th 'c

The Transformative Power of Technology in Education

In the dynamic landscape of education, technology has emerged as a catalyst for profound change. The integration of cutting-edge tools and digital resources into the classroom has revolutionized the way students learn and educators teach. This article delves into the multifaceted impact of technology on education, exploring its benefits, challenges, and the exciting possibilities it unfolds.

1. Enhancing Accessibility and Inclusivity:-
Technology has democratized education, breaking down geographical barriers and providing access to a wealth of information. Online learning platforms and digital resources empower students from diverse backgrounds, ensuring that education is not confined by physical limitations.

2. Personalized Learning Experiences:-
Adaptive learning technologies cater to individual student needs, offering personalized pathways for mastery. With intelligent algorithms, educators can tailor lessons to match students' learning styles and pace, fostering a more engaging and effective educational experience.

3. Augmented Reality (AR) and Virtual Reality (VR) in Education:-
Immersive technologies like AR and VR bring abstract concepts to life, providing students with hands-on experiences. From exploring historical events to dissecting virtual organisms, these technologies make learning more engaging and memorable.

4. Bridging Gaps with Remote Learning:-
The recent surge in remote learning, driven by necessity, has highlighted the adaptability of technology. Virtual classrooms, video conferencing, and collaborative tools have become integral components of the modern educational landscape, offering flexibility and continuity.

5. The Future of EdTech:-
As technology continues to evolve, so does its role in education. Artificial intelligence, machine learning, and data analytics hold the potential to further refine personalized learning experiences and provide educators with valuable insights for instructional improvement.

In conclusion, the integration of technology into education is a transformative journey that brings both opportunities and challenges. Striking a balance between innovation and inclusivity is key to harnessing the full potential of technology and preparing students for the complexities of the 21st century. The educational landscape is evolving, and technology is at the forefront, shaping the future of learning in unprecedented ways.

Harshith R Naik
11th 'A'

THE IMPORTANCE OF DIVERSITY AND INCLUSION IN EDUCATION

Diversity and inclusion stand as the keystones of a vibrant, forward-thinking educational landscape. In today's interconnected world, schools play a pivotal role in fostering and education is monumental, shaping not only academic success but also preparing students for a globally interconnected society.

Firstly, diversity in education presents an invaluable opportunity for students to encounter varied perspectives, cultures, and backgrounds. Exposure to this mosaic of experiences enhances critical thinking and empathy, laying the foundation for well-rounded individuals capable of navigating diverse and complex environments.

Moreover, inclusion in education setting is the bedrock

For students sense of belonging. When students feel accepted and respected for their unique identities, it cultivates a positive environment where they can freely express themselves. This sense of belonging

significantly contributes to academic achievement and overall well-being.

An inclusive educational environment instills essential life skills beyond academics. Interacting with diverse peers fosters tolerance, empathy, and understanding, preparing students for success in a globalized world. These qualities are imperative for collaboration and problem-solving in diverse workplaces.

Furthermore, addressing disparities in educational access for marginalized groups is crucial. Inclusive education strives to bridge these gaps, ensuring equitable opportunities for all students regardless of their backgrounds, abilities, or socio-economic status. This commitment to equity is vital in creating a fairer and more just society.

Educators serve as catalysts for diversity and inclusion, shaping students' perspectives and experiences. By incorporating diverse perspectives into the curriculum and fostering an inclusive classroom environment, educators play a pivotal role in nurturing empathetic and globally competent individuals.

Efforts to promote diversity and inclusion extend beyond the classroom. Creating policies that support a diverse faculty, establishing support systems for underrepresented students, and organizing cultural events foster an inclusive school community.

In essence, the importance of diversity and inclusion in education cannot be overstated. They contribute to a richer learning experience, foster a sense of belonging, prepare students for a globalized world, and address systemic inequalities. Embracing diversity and inclusion in education is not just an option; it's a responsibility towards creating a more empathetic, equitable, and harmonious society.

AROMAL NAIR

11TH C

Under the Student's Moon: A Tale of Resilience

- Tanishka K (XI A)

In a sea of notebooks and endless tasks,
A student sails, their burden masked.
Late-night studies and coffee-fueled strife,
Navigating the challenges of student life.

Homework piles high, a mountain to climb,
Yet determination burns, a steadfast sign.
Juggling deadlines, a delicate art,
The struggles of a student, etched in the heart.

Exams approach like a gathering storm,
Stressful nights, a uniform norm.
But in each challenge, resilience takes root,
A student's journey, a relentless pursuit.

What Is Real Friendship? A Simple Guide to Building Meaningful Connections.

Friends are like stars in the night sky—sometimes hard to find, but when you do, they light up your life. Whether you're starting a new chapter in life, moving to a different place, or just want to make more friends, here are some practical steps to help you form genuine connections:

1. **Be Available**: If you want friends, you need to put yourself out there. Don't sit alone; choose a spot with at least two other people. Go to social events, parties, and gatherings. Remember, friends don't usually knock on your door while you're busy on your laptop.
2. **Join Clubs and Groups**: Shared interests are the glue that holds friendships together. Whether it's a science club, knitting group, or a sports team, find a place where you can connect with people who like the same things. Don't worry if you don't have much in common at first—some of the best friendships start between seemingly different folks.
3. **Help Others**: Volunteering not only helps others but also introduces you to fellow do-gooders. Whether it's at a nursing home, hospital, or animal shelter, working together builds bonds. You'll meet people who care about making a positive impact.
4. **Say Yes**: When you get invited to events, say yes! And don't be afraid to invite others too. Taking the initiative shows that you're open to making connections.
5. **Start with Small Talk**: Small talk is the beginning of deeper conversations. Talk about the weather, hobbies, or what's happening around you. Sometimes, the best friendships start with simple chats.
6. **Be a Good Listener**: Friendships thrive when people understand each other. Show genuine interest in what others say. Ask questions, listen actively, and remember details about their lives. People appreciate being heard.
7. **Be Yourself**: Pretending to be someone else won't lead to lasting friendships. Be true to yourself. Authenticity attracts like-minded souls who appreciate your uniqueness.
8. **Learn Together**: Attend classes or workshops. Learning something new creates strong bonds. Whether it's a maths class, art workshop, or language course, shared experiences give you great things to talk about.

9. **Online Communities**: Explore online platforms related to your interests. Join forums, social media groups, or virtual events. Engage in discussions and connect with people from all over.
10. **Be Patient**: Friendships take time. Nurture the connections you make. Remember that quality matters more than quantity. A few true friends are worth more than a hundred acquaintances.

In a world that often feels disconnected, making friends is an art.

By- Ishaan Singh

Class- 11A

Improving communication skill

Pavan raj XI

Improving communication skill give me points

- Practice active listening to truly understand others.

- Work on clear and concise expression of your ideas.
- Expand your vocabulary to articulate thoughts effectively
- Pay attention to non-verbal cues for better understanding.

•Join group activities or clubs to enhance social interactions.
•Seek constructive feedback to identify areas for improvement.
•Read diverse materials to broaden your knowledge base.

1. Active listening involves giving full attention to the speaker, making eye contact, and nodding to show you're engaged. It also includes paraphrasing what you've heard to confirm understanding. Avoid interrupting, and ask open-ended questions to encourage further discussion. Put away distractions, such as your phone, and focus on the speaker's words and emotions. By demonstrating genuine interest, you create a more meaningful and effective communication exchange.
2. To enhance clarity, organize your thoughts before speaking, and prioritize key points. Eliminate unnecessary jargon or complex language that may confuse listeners. Practice summarizing ideas succinctly without losing crucial information. Use examples to illustrate your points, making it easier for others to grasp your message. Remember that simplicity in expression often leads to better understanding, fostering more effective communication.

3. Building a robust vocabulary enables you to choose precise words that accurately convey your thoughts. Regular reading, exploring diverse genres, and learning new words actively contribute to vocabulary expansion. Practice incorporating these words into your daily conversations to reinforce retention. Additionally, be mindful of context, as using appropriate vocabulary enhances your ability to express ideas with clarity and sophistication, making your communication more impactful and compelling.
4. Non-verbal cues, such as facial expressions and body language, convey valuable information in conversations. Observing these cues helps you interpret emotions and attitudes that may not be explicitly stated. Look for gestures, posture shifts, and eye contact to gauge the speaker's feelings or level of engagement. Being attuned to these non-verbal signals enhances your overall understanding and allows for more nuanced communication, fostering stronger connections with others.
5. Engaging in group activities or clubs provides opportunities to interact with diverse personalities, improving your social skills. It allows you to practice collaboration, teamwork, and effective communication in a relaxed setting. Shared interests in these settings often lead to more natural and enjoyable conversations, fostering connections with like-minded individuals. This social interaction outside regular settings helps build confidence and adaptability in various social scenarios.

Q- What Is Improving Communication Skill

Ans : - Great starting points for improving communication skills include active listening, practicing empathy, and refining your clarity in expressing ideas. Reading books on communication and engaging in conversations regularly can also be beneficial.

The Story Of Amlori

My native
place
The house of my ancestors
The love and embrace
The birds came back to nesters

Trace memories, I trace
To here my own stories, a requestor
Those no one can replace
Those that get better, bester

The greenery swings in grace
The cattle, the milk and butter
On the cycles we race
Witnessing bees as they suck nectar

The chulla smoke cloud face
Black on blue board without a duster
People and people everyplace
How big must be their muster

You should look at my face
She told me " I am your sister "
My cousins, my friends, these days
The memories will always whisper

By K.Varchasva

MYSTIC SANDS OF MAHARAJA

In the land where colours dance,
The mystic land of India's trance,
Where sacred rivers gently flow,
And ancient tales begin to sow.

India, oh India, a symphony of soul,
A tapestry of legends, where dreams unfold,
From vibrant festivals to temples old,
India, oh India, your stories untold.

From the mountains to the plains,
Where spirituality forever reigns,
The melodies of sitars hum,
Resonating with wisdom, passed on.

In the rhythm of the monsoon rain,
Whispers of devotion and love remain,
Beneath the moonlit sky's embrace,
Sitar strums invoke a sacred space.

Where yoga meets tranquillity,
And ancient scriptures set us free,
Tales of warriors and ancient kings,
Echo through the timeless winds that sing.

So let us embrace this heartfelt blend,
Where culture and harmony transcend,
Raise our voices, let them soar,
In celebration of India's allure.

Mansa student6A

Achievement in sports

CELEBRATION OF DAYS

Swacchata pakhwada

UNITY RUN

EXCURSION

HAR GHAR TIRANGA

VEER BAAL DIWAS

YOUTH DAY

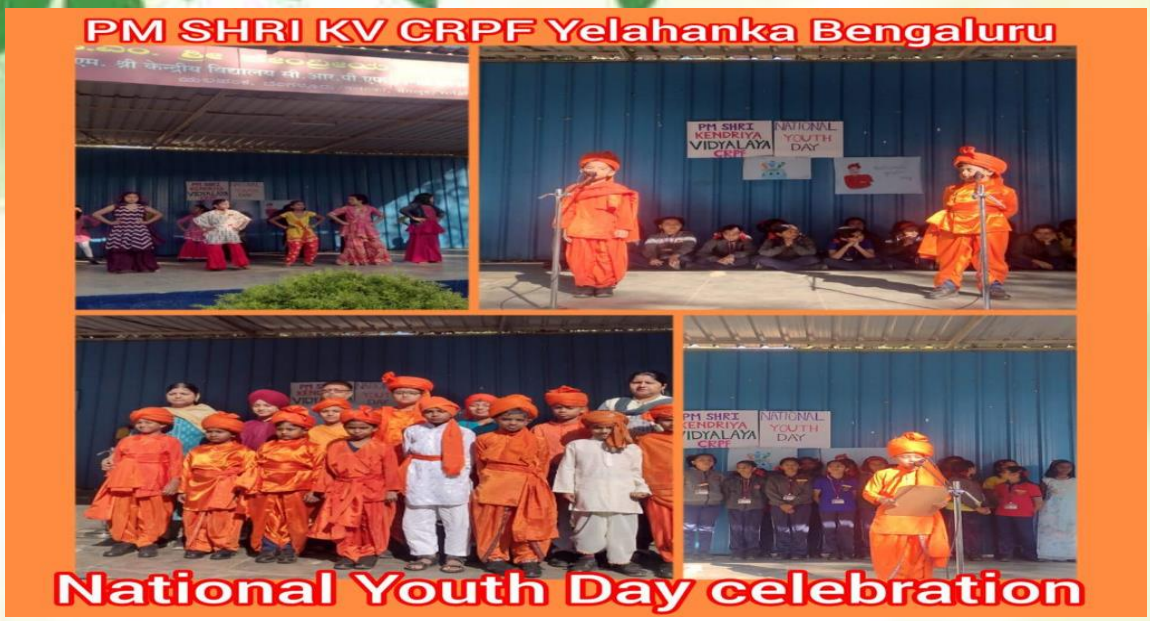

BOTANICAL GARDEN

FOUNDATIONAL LEARNING

NCSC

पाठ्य सहगामी गतिविधियाँ

CHANDRA

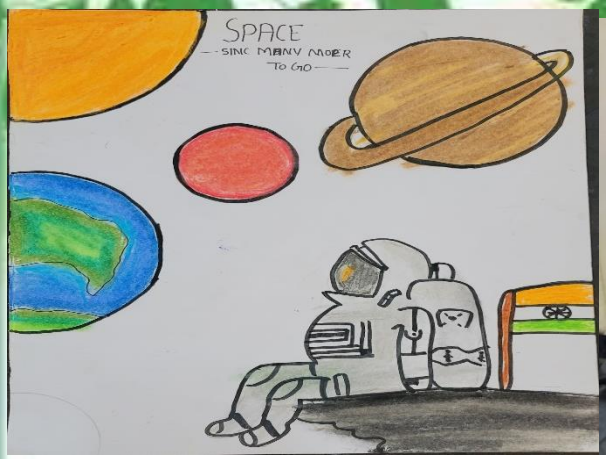
SPACE
SINCE MANY MORE
TO GO

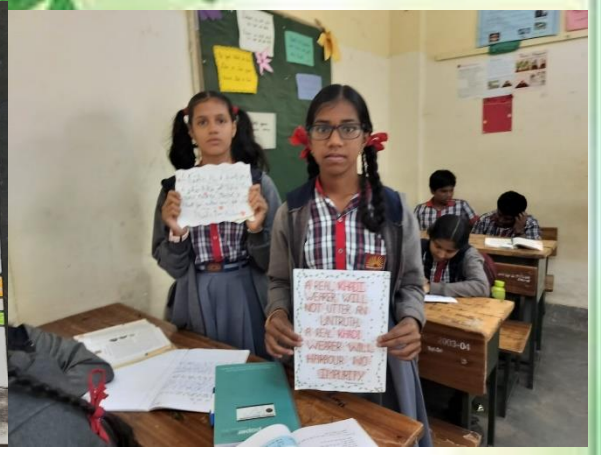

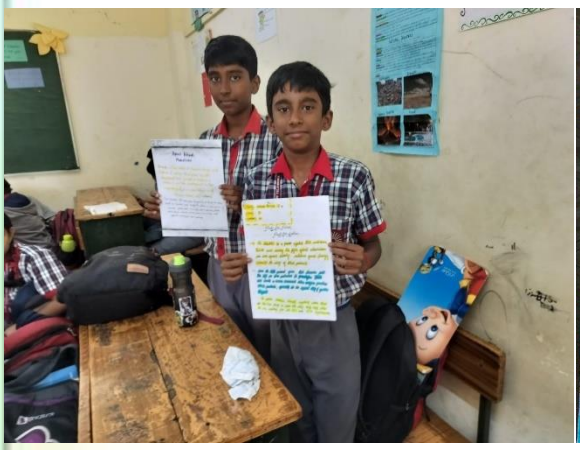

SPACE
EXPLORA-
-TION

हिंदी पखवाड़ा

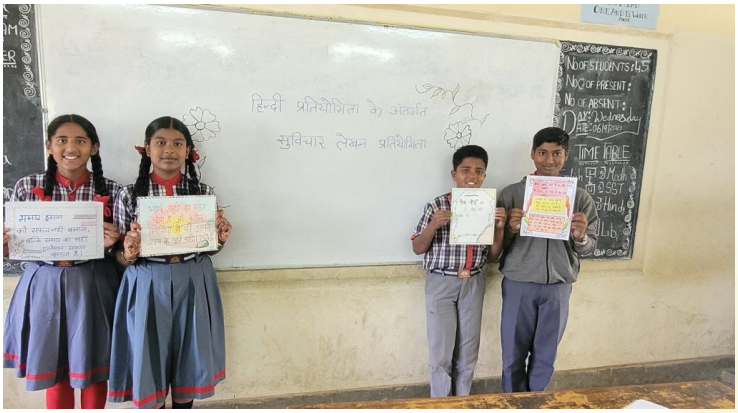

Medical / CWSN Medical Camp